COURSE OBJECTIVES & OUTCOMES OF
3/4 YEAR UNDER GRADUATE
CURRICULUM IN HINDI

NISTARINI COLLEGE, PURULIA

AFFILIATED TO

SIDHO-KANHO-BIRSHA UNIVERSITY,
PURULIA, WEST BENGAL.

MAJOR COURSES

Semester: 1

Course Code: **BHINMAJ01T**

Course Title: **HINDI SAHITYA KA ITIHAS (**हिन्दी साहित्य का इतिहास)

Credit: 6 : 90 Classes

इकाई – एक (20 classes)

- **हिन्दी साहित्येतिहास – लेखन की परम्परा**
- **हिन्दी साहित्य के इतिहास का काल विभाजन और नामकरण**

इकाई – दो (20 classes)

- **आदिकाल – परिस्थितियाँ, नामकरण , प्रवृत्तियाँ , प्रमुख कवि एवं कृतियाँ**
- **सिद्ध साहित्य , नाथ साहित्य , जैन साहित्य , रासो काव्य , लौकिक साहित्य**

इकाई – तीन (15 classes)

- **भक्तिकाल : परिस्थितियाँ , प्रवृत्तियाँ**

इकाई – चार (15 classes)

- **प्रमुख कव्य धाराएँ - संत काव्य , सूफी काव्य , राम काव्य , कृष्ण काव्य , प्रमुख कवि एवं कृतियाँ**

इकाई – पाँच (10 classes)

- **रीतिकाल : परिस्थितियाँ, नामकरण, प्रवृत्तियाँ**
- **प्रमुख कव्य धाराएँ - रीतिबद्ध , रीतिसिद्ध , रीतिमुक्त , प्रमुख कवि एवं कृतियाँ**

इकाई – छ: (10 classes)

- **आधुनिक काल : सामान्य परिचय (गद्य, पद्य एवं अन्य विधाएँ)**

Course Objective: साहित्येतिहास के अध्ययन का एक प्रयोजन साहित्य के वकास की गति और दिशा के साथ-साथ समाज के वकास को प्रभा वत करती है |

Learning Outcome: छात्र हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा एवं वकास के बारे में जान सकेंगे एवं मूल्यांक कर सकेंगे |

Semester: 2
Course Code: **BHINMAJ02T**
Course Title: **HINDI BHASHA KA ITIHAS** (हिन्दी भाषा का इतिहास)
Credit: 6 : 90 Classes

इकाई – एक (10 classes)

- **हिंदी : नामकरण एवं स्वरूप**

इकाई – दो (20 classes)

- **भारतीय आर्य भाषा के परिप्रेक्ष्य में हिंदी भाषा का विकास (प्राकृत, अपभ्रंश, ब्रजभाषा, अवधी, खड़ी बोली)**

इकाई – तीन (20 classes)

- **हिंदी : क्षेत्र, उपभाषाएँ एवं बोलियाँ**

इकाई – चार (15 classes)

- **हिंदी के शब्द भण्डार**

इकाई – पाँच (15 classes)

- **राष्ट्रभाषा, राजभाषा एवं संपर्क भाषा के रूप में हिंदी**

इकाई – छः (10 classes)

- **देवनागरी लिपि का विकास**

Course Objective: उपर्युक्त पाठ्यक्रम के माध्यम से हिंदी भाषा के सैद्धांतिक पहलू के साथ-साथ व्यावहारिक रूप का ज्ञान प्राप्त करना है |

Learning Outcome: छात्र हिंदी भाषा के इतिहास एवं वकास के बारे में समझ सकेंगे और हिंदी के क्षेत्र, उपभाषाएँ, हिन्दी शब्द-भण्डार एवं ल प के वकास को समझ पाएंगे |

Semester: 3

Course Code: **BHINMAJ03T**

Course Title: **MADHYKALIN HINDI KAVYA (**मध्यकालीन हिन्दी काव्य)

Credit: 6 : 90 Classes

इकाई-एक (20 classes)

- **कबीर (कबीर : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी – राजकमल प्रकाशन) :**

पद - मोकों कहाँ दूढ़े बन्दे (1), अवधू ,माया तजी न आई (5), अनगढ़िया देवा, कौन करे तेरी सेवा (13), मन, तू पार उतर कहँ जैहौ (20), गगनघटा घहरानी साधो , गगनघटा घहरानी(87), साधो,देखो जग, वौराना (168), खेल ले नैहरवा दिन चार (218)

इकाई – दो (10 classes)

- **जायसी – पद्मावत (नागमती वियोग खण्ड –सं.वासुदेवशरण अग्रवाल) :**

पद - नागमती चितउर पंथ हेरा (341) , पिउ वियोग अस बाउर जीऊ (342) चढ़ा असाढ़ गगन घर गाजा (344) , पूस जाड़ थरथर तन काँपा (350) , फागुन पवन झकोरे बहा (352) , भा बैसाख तपनि अति लागी (354) , कुहकि कुहकि जसि कोइलि रोई (359)

इकाई – तीन (10 classes)

- **सूरदास – (भ्रमरगीतसार – सं. रामचंद्र शुक्ल) :**

पद - आयो घोष बड़ो व्योपारी (23), बिलग जनि मानहु, उधो प्यारे (38), अँखिया हरि दरसन को भूखी (42) , अलि हो ! कैसे कहौं हरि के रूप रसहि (51), हमारे हरि हारिल की लकरी (52), निर्गुन कौन देस को बासी (64), ऊधो ! ब्रज की दशा बिचारौ (109)

इकाई – चार (10 classes)

- **तुलसीदास – विनयपत्रिका (सं.एवं टीकाकार वियोगी हरी) :**

पद - ऐसी मूढ़ता या मन की (90), जाउँ कहाँ तजि चरन तुम्हारे (101), हरि तुम बहुत अनुग्रह कीन्हों (102), अबलौं नसानी अब न नसैहों (105), केशव! कहि न जाइ का कहिये (111), केसव ! कारन कौन गुसाई (112), ऐसो को उदार जग माहीं (162)

इकाई – पाँच (10 classes)

- **मीराबाई : मीराबाई की पदावली (सं. – आचार्य परशुराम चतुर्वेदी) :**

पद - मण थें परस हरि रे चरण (1), तनक हरि चितवाँ म्हारी ओर (5), म्हाराँ री गिरधर गोपाल दूसराँ णाँ कूयाँ (18), मैं तो गिरधर के घर जाऊँ (20), मीरा मगन भई हरि के गुण गाय(41), हेरी म्हा तो दरद दिवाँणी म्हाराँ दरद न जाण्याँ कोय (70), म्हाँरो जणम जणम रो साथी (105)

इकाई – छः (20 classes)

- **बिहारी (रीतिकाव्य संग्रह – जगदीश गुप्त) :**

दोहा - मेरी भव-बाधा हरौ (1) , नीकी दई अनाकनी (2) , फिरि-फिरि चितु उत ही रहतु (3), जम-करि-मुँह-तरहरि परयौ (8), तो पर बारौं उरबसी (9), कहत,नटत ,रीझत, खिझत (11), कौन भाँति रहिहै बिरदु (12), नहिं परागु नहिं मधुर मधु (13), कब को टैरतु दीन रट (19), तंत्री- नाद कवित्त-रस (22)

इकाई –सात (10 classes)

- **घनानंद (रीतिकाव्य संग्रह – जगदीश गुप्त) :**

पद - रावरो रूप की रीति अनूप (3), पीरी पीरी देह छीनी (7), एरे बीर पौन ! तेरो सबै ओर गौन (16), कारी कूर कोकिला ! कहाँ क बरै काढ़ति (17) , अति सूधो सनेह को मारग है (23)

Course Objective: इस पाठ्यक्रम में शा मल मध्यकालीन क वयों एवं उनके द्वारा र चत काव्यों के अध्ययन से छात्रों में हिन्दी के स्वर्णयुग के क वयों की अनमोल कृतियों का अध्ययन करने का अवसर प्राप्त होगा |

Learning Outcome: छात्र मध्यकालीन प्रमुख क व जैसे कबीर , तुलसी , जायसी, सूरदास, बिहारी, तुलसीदास, मीराबाई एवं घनानन्द से परि चत होगे तथा उनकी क वताओं को समझ सकेंगे |

Semester: **4**

Course Code: **BHINMAJ04T**

Course Title: **Adhunik hindi kavita** आधुनिक हिन्दी क वता (छायावाद तक)

Credit: 6 : 90 **Classes**

इकाई – एक (15 classes)

- भारतेंदु - प्रताप समीरन, भारत दुर्दशा (गीत), बसंत, दशरथ– वलाप
- हरिऔध - पवनदूत प्रसंग (' प्रयप्रवास' के षष्ठ सर्ग से छंद संख्या -**26** से **35** तक)

इकाई – दो (20 classes)

- मै थलीशरण गुप्त - यशोधरा (चुने हुए अंश), महा भनिष्क्रमण , स ख वे मुझसे कहकर जाते …**5, 6 ,7 ,8 ,9**
- रामनरेश त्रिपठी – कामना , अतुलनीय जिनके प्रताप का , पुष्प वकास

(क वता कोश से संग्रहित**)**

इकाई – तीन (15 classes)

- जयशंकर प्रसाद - हिमाद्री तुंग श्रृंग से, मेरे ना वक, इतना न चमत्कृत हो बाले, अरी बरूणा की शान्त कछार

इकाई – चार (10 classes)

- सूर्यकांत त्रिपाठी निराला - सरोज स्मृति, बादल राग-**6**, स्नेह निर्झर बह गया, राम की शक्ति-पूजा

इकाई – पाँच (10 classes)

- सु मत्रानंदन पंत - नौका वहार, ताज, द्रुत झरो, चाँदनी

इकाई – छः (20 classes)

- महादेवी वर्मा - मैं नीर भरी दुःख की बदली, धीरे धीरे उतर क्षतिज से, सब आँखों के आँसू उजले, हे चर महान

Course Objective: इस पाठ्यक्रम में निहित आधुनिक क व और उनकी क वताओं की समझ छात्रों में वक सत होगी। इसके साथ ही छात्र मानवीय संवेदनाओ को और अ धक समझ सकेंगे |

Learning Outcome: छात्र छायावादी प्रमुख क वयों प्रसाद, पंत , निराला एवं महादेवी से परि चत होगे तथा उनकी क वताओं का आनंद लेकर हिन्दी साहित्य के प्रति और आक र्षत हो सकेंगे |

Semester: **4**

Course Code: **BHINMAJ05T**

Course Title: **Prayojanmulak Hindi Ewam Hindi Sahityik Patrakarita** Credit: 6 : 90 Classes

प्रयोजनमूलक हिन्दी एवं हिन्दी साहित्यिक पत्रकारिता

इकाई – एक (20 classes)

- **प्रयोजनमूलक हिन्दी – अभिप्राय , उपयोगिता और महत्व**
- **हिन्दी के विभिन्न रूप – बोलचाल की सामान्य हिन्दी , मातृभाषा, संपर्क भाषा , राजभाषा, मानक हिन्दी, साहित्यिक हिन्दी**

इकाई – दो (10 classes)

- **हिन्दी के प्रयोग क्षेत्र – भाषा प्रयुक्ति की संकल्पना , वार्ता प्रकार और शैली**

इकाई – तीन (20 classes)

- **प्रयोजनमूलक हिन्दी के प्रमुख प्रकार – कार्यालयी हिन्दी, वैज्ञानिक हिन्दी, व्यवसायिक हिन्दी, संचार माध्यम (आकाशवाणी , दूरदर्शन , चलचित्र , कंप्यूटर, इन्टरनेट) की हिन्दी और उनके प्रमुख लक्षण**

इकाई – चार (15 classes)

- **भाषा व्यवहार – टिप्पणी, मसौदा लेखन, सार-लेखन, विज्ञापन व निविदा लेखन**
- **हिन्दी में पारिभाषिक शब्द निर्माण : प्रक्रिया एवं प्रस्तुति**

इकाई – पाँच (15 classes)

- **हिन्दी की साहित्यिक पत्रकारिता - अर्थ ,अवधारणा और महत्व**
- **स्वतंत्रता पूर्व हिन्दी पत्रकारिता – परम्परा , परिचय और प्रवृत्तियाँ**
- **समकालीन साहित्यिक पत्रकारिता - परिचय और प्रवृत्तियाँ**

इकाई – छः (10 classes)

- **पत्रलेखन – सरकारी, व्यावसायिक**

Course Objective: इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से वद्या र्थयों को प्रयोजनमूलक हिंदी की उपयोगी जानकारी देना एवं रोजगार के अवसरों को प्राप्त करने मे मदद देना है |

Learning Outcome: छात्र प्रयोजन मूलक हिंदी के अर्थ, उपयो गता एवं महत्व को समझ सकेंगे । • छात्र हिंदी की साहित्यिक पत्रिकाओं को जान सकेंगे |

Semester: **5**

Course Code: **BHINMAJ06T**

Course Title: **Chhaywadottar hindi kavita (** छायावादोत्तर हिन्दी का वता)

Credit: 6 : 90 Classes

इकाई – एक (20 Classes**)**

- **रामधारी सिंह दिनकर – कुरूक्षेत्र (केवल षष्ठ सर्ग)**
- **अज्ञेय – साँप, नदी के द्वीप , कलगी बाजरे की**

इकाई – दो (10 Classes**)**

- **नागार्जुन - बादल को घिरते देखा है, प्रेत का बयान, अकाल और उसके बाद**

इकाई – तीन (20 Classes**)**

- **मुक्तिबोध – चाँद का मुँह टेढ़ा है, भूँल गलती, मैं तुम लोगों से दूर हूँ**

इकाई – चार (10 Classes**)**

- **रघुवीर सहाय - हँसो-हँसो जल्दी हँसो . स्वाधीन व्यक्ति , अधिनायक**

इकाई – पाँच (10 Classes**)**

- **धूमिल – पटकथा, रोटी और संसद, मोचीराम**

इकाई – छ: (10 Classes**)**

- **भवानी प्रसाद मिश्र – सतपुड़े का जंगल , गीत-फरोश**

इकाई – सात (10 Classes**)**

- **सर्वेश्वर दयाल सक्सेना – काठ की घंटियाँ , पथराव**

Objective: • इस पाठ्यक्रम के माध्यम से छात्र छायावादोत्तर हिंदी क वता के क वयों की क वताओं को गहन रूप से समझ सकेंगे **|**

Learning Outcome: • छात्र छायावादोत्तर प्रमुख क वयों अज्ञेय, मुक्तिबोध, नागार्जुन एवं धू मल से परि चत होगे तथा उन क वताओ का आनंद ले सकेंगे **|**

Semester: **5**

Course Code: **BHINMAJ07T**

Course Title: **Hindi kahani (**हिन्दी कहानी**)**

Credit: 6 : 90 Classes

इकाई – एक (10 classes)

- **उसने कहा था – चंद्रधर शर्मा गुलेरी**
- **पूस की रात – मुंशी प्रेमचंद**

इकाई – दो (10 classes)

- **आकाश दीप – जयशंकर प्रसाद**
- **पाजेब – जैनेन्द्र कुमार**

इकाई – तीन (15 classes)

- **तीसरी कसम – फनीश्वरनाथ रेणु**
- **परिन्दे – निर्मल वर्मा**

इकाई – चार (15 classes)

- **दोपहर का भोजन – अमरकांत**
- **सिक्का बदल गया – कृष्णा सोवती**

इकाई – पाँच (20 classes)

- **पिता – ज्ञानरंजन**
- **धुसपैठिऐ – ओमप्रकाश बाल्मीकि**

इकाई – छ: (20 classes)

- **वारेन हेस्टिंग्स का साँड़ – उदय प्रकाश**
- **तुम किसकी हो बिन्नी – मैत्रेयी पुष्पा**

Course Objective: इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत छात्र प्रमुख कहानीकार और उनकी कहानी के माध्यम से कहानी की उपयो गता और साहित्य के महत्व को जान सकेंगे |

Learning Outcome: छात्र कहानी की रचनागत वै शष्ट्य बता सकेंगे एवं छात्र कहानी के व भन्न तत्वों की वशेषताएँ बता सकेंगे |

Semester: **6**

Course Code: **BHINMAJ08T**

Course Title: **Bharatiya kavyashastra (** भारतीय काव्यशास्त्र**)**

Credit: 6 : 90 Classes

इकाई – एक (20 classes)

- **काव्य लक्षण , काव्य हेतु एवं काव्य प्रयोजन**
- **रस सिद्धान्त - रस की अवधारण , रस की निष्पति और सधारणीकरण , रसांग**

इकाई – दो (20 classes)

- **ध्वनि सिद्धान्त – ध्वनि की अवधारणा , ध्वनि का वर्गीकरण**
- **अलंकार सिद्धान्त – अलंकार की अवधारणा , अलंकारो का वर्गीकरण**

इकाई – तीन (10 classes)

- **अलंकार सिद्धान्त एवं अन्य सम्प्रदाय**
- **रीति सिद्धान्त – रीति की अवधारणा , रीति एवं गुण , रीति का वर्गीकरण**

इकाई – चार (15 classes)

- **वक्रोक्ति सिद्धान्त – वक्रोक्ति की अवधारणा , वक्रोक्ति का वर्गीकरण , वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद**

इकाई – पाँच (15 classes)

- **औचित्य सिद्धान्त – औचित्य की अवधारणा**
- **काव्य रूप – दृश्यकाव्य (रूपक एवं उपरूपक)**

इकाई – छ: (10 classes)

- **श्रव्यकाव्य - पद्य , गद्य , चम्पू, प्रबन्ध एवं मुक्तक**

Course Objective: • इस पाठ्यक्रम के द्वारा वद्यार्थी भारतीय काव्यशास्त्र की पंरपरा से परि चत होंगे।

Learning Outcome: • छात्र साहित्य का मूल्यांकन करने वाला साहित्यशास्त्र से अवगत होगे । छात्र काव्य की परिभाषा बता सकेंगे |

Semester: **6**

Course Code: **BHINMAJ09T**

Course Title: **Hindi Upanyas (** हिन्दी उपन्यास)

Credit: 6 : 90 Classes

इकाई – एक (20 classes)

- **गबन – मुंशी प्रेमचंद**

इकाई – दो (20 classes)

- **सुनीता – जैनेन्द्र कुमार**

इकाई – तीन (15 classes)

- **महाभोज – मन्नू भंडारी**

इकाई – चार (10 classes)

- **मैला आंचल – फणीश्वरनाथ रेणु**

इकाई – पाँच (15 classes)

- **सावधान नीचे आग है – संजीव**

इकाई – छः (10 classes)

- **ग्लोबल गाँव के देवता – रणेन्द्र**

Course Objective: वद्या र्थयों को इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से उपन्यास के वश्लेषण की पद्धति की जानकारी मलेगी।

Learning Outcome: छात्र हिंदी उपन्यास के स्वरुप , उद्भ्व एवं वकास की प्र क्रया को जान सकेंगे । छात्र हिंदी के प्रमुख उपन्यासों के व भन्न पहलुओं से अवगत हो सकेंगे |

Semester: **6**

Course Code: **BHINMAJ10T**

Course Title: **Hindi Natak Ebong ekanki (**हिन्दी नाटक एवं एकांकी**)** Credit: 6 : 90 Classes

नाटक

इकाई – एक (20 classes)

- **अंधेर नगरी – भारतेंदु हरिश्चंद्र**

इकाई – दो (15 classes)

- **आधे-अधूरे – मोहन राकेश**

इकाई – तीन (10 classes)

- **स्कंदगुप्त – जयशंकर प्रसाद**

इकाई – चार (20 classes)

- **माधवी – भीष्म साहनी**

एकांकी

इकाई – पाँच (15 classes)

- **औरंगजेब की आखिरीरात – रामकुमार वर्मा**
- **और वह जा न सकी – विष्णु प्रभाकर**

इकाई – छ: (10 classes)

- **भोर का तारा – जगदीशचंद्र माथुर**
- **औरत – सफदर हाशमी**

Course Objective: इस पाठ्यक्रम के माध्यम से वद्या र्थयों में संवाद-कला का वकास होगा। पाठ्यक्रम में निहित नाटक एवं एकां कयों के प्रति रु च बढ़ेगी **।**

Learning Outcome: छात्र हिंदी नाटक के स्वरुप , उद्भव एवं वकास की प्र क्रया को जान सकेंगे । छात्र हिंदी साहित्य के प्रति और अ धक आक र्षत होगें **।**

Semester: **7**

Course Code: **BHINMAJ11T**

Course Title: **Pashchatya Kavyashastra (**पाश्चात्य काव्यशास्त्र**)**

Credit: 6 : 90 Classes

इकाई – एक (15 classes)

- **प्लेटो – काव्य संबंधी मान्यताएँ**
- **अरस्तु – अनुकृति सिद्धान्त, विरेचन सिद्धान्त**

इकाई – दो (15 classes**)**

- **मैथ्यू अर्नाल्ड – कला और नैतिकता का सिद्धांत**
- **होरेस – औचित्य सिद्धांत**

इकाई – तीन (20 classes)

- **लोंजाइनस - काव्य में उदात्त की अवधारणा**
- **क्रोचे – अभिव्यंजनावाद**

इकाई – चार (20 classes)

- **टी .एस . इलियट – परम्परा की अवधारणा , निवैयक्तिकता का सिद्धान्त**
- **आई.ए.रिचर्डस – मूल्य सिद्धान्त , सम्प्रेषण सिद्धान्त**

इकाई – पाँच (10 classes)

- **स्वच्छंदतावाद , यथार्थवाद ,आधुनिकता , उत्तर अधुकिता**

इकाई – छ: (10 classes)

- **संरचनावाद, बि म्ब, प्रतीक, फेंटेसी, मिथक**

Course Objective: वद्यार्थी पश्चिमी साहित्य चंतन की परम्परा से परि चत हो सकेंगे तथा वे भारतीय और पाश्चात्य काव्य चंतनों के व भन्न पहलुओं से अवगत होगे **|**

Learning Outcome: छात्र पाश्चात्य काव्य चंतको से परि चत होगे तथा उनके काव्य दर्शन , सध्दांतो को जान सकेगे ।

Semester: **7**
Course Code: **BHINMAJ12T**
Course Title: **Hindi alochna (** हिन्दी आलोचना**)** Credit: 6 : 90 Classes

इकाई – एक (20 classes)

- **हिन्दी आलोचना की पृष्टभूमि और परम्परा का विकास**

इकाई – दो (20 classes)

- **भारतेंदु युगीन आलोचना – परिस्थितियाँ, प्रमुख आलोचक एवं उनकी आलोचना दृष्टि**
- **द्विवेदी युगीन आलोचना – परिस्थितियाँ, प्रमुख आलोचक एवं आलोचना दृष्टि**

इकाई – तीन (10 classes)

- **शुक्ल युगीन आलोचना – परिस्थितियाँ, प्रमुख आलोचक एवं आलोचना दृष्टि**

इकाई – चार (10 classes)

- **शुक्लोत्तर युगीन आलोचना –परिस्थितियाँ, प्रमुख आलोचक एवं आलोचना दृष्टि**

इकाई – पाँच (20 classes)

- **हिन्दी के प्रमुख आलोचक और उनकी आलोचना दृष्टि – रामचंद्र शुक्ल , हजारीप्रसाद द्विवेदी , नन्ददुलारे वाजपेयी , रामविलास शर्मा , नामवर सिंह**

इकाइ – छ: (10 classes)

- **रसवादी आलोचना , मानोवैज्ञानिक आलोचना , प्रगतिशील आलोचना , नयी समीक्षा , समकालीन आलोचना**

Course Objective: इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से वद्या र्थयों में आलोचना की सैद्धांतिक और व्यावहारिक समझ वक सत होगीं **।**

Learning Outcome: छात्र आलोचना के अर्थ, स्वरुप एवं वकास को समझ सकेंगे । हिंदी के प्रमुख आलोचको की आलोचना दृष्टि के व भन्न संदर्भों का भी अवलोकन कर सकेंगे **।**

Semester: 7
Course Code: **BHINMAJ13T**
Course Title: **Hindi Nibandh (**हिन्दी निबंध**)** Credit: 6 : 90 Classes

इकाई – एक (20 classes)

- **भारतवर्ष की उन्नति कैसे हो सकती है? – भारतेन्दु हरिश्चंद्र**
- **मूँछ – प्रतापनारायण मिश्र**

इकाई – दो (10 classes)

- **कवि कर्तव्य – महावीर प्रसाद द्विवेदी**
- **कछुआ धर्म – चंद्रधर शर्मा 'गुलेरी'**

इकाई – तीन (20 classes)

- **यथार्थवाद और छायावाद – जयशंकर प्रसाद**
- **स्त्री के अर्थ स्वातंत्र्य का प्रश्न – महादेवी वर्मा**

इकाई – चार (10 classes)

- **कविता क्या है? – आचार्य रामचंद्र शुक्ल**
- **ठाकुरजी की बटोर – हजारीप्रसाद द्विवेदी**

इकाई – पाँच (10 classes)

- **आस्था और सौंदर्य – रामविलास शर्मा**
- **वैष्णव की फिसलन – हरिशंकर परसाई**

इकाई – छः (20 classes)

- **मेरे राम का मुकुट भींग रहा है – विद्यानिवास मिश्र**
- **बेहाया का जंगल – कृष्णबिहारी मिश**

Course Objective: वद्या र्थयों में वश्लेषण और रचना-प्र क्रया की समझ वक सत होगी। वे हिंदी निबंध के वृहद परिप्रेक्ष को समझ पाएंगे |

Learning Outcome: छात्र निबंध के रचनागत वै शष्ट्य बता सकेंगे। छात्र निबंध के तत्वों की वशेषताएँ , व भन्न भेद आदि को भी समझ सकेंगे |

Semester: **8**

Course Code: **BHINMAJ14T**

Course Title: **Hindi ki anye gady vidhayen (**हिन्दी की अन्य गद्य वधाएँ)

Credit: 6 : 90 Classes

इकाई – एक (संस्मरण) (10 classes)

- **विष्णु प्रभाकर - जाने अनजाने**
- **शिवपूजन सहाय - वे दिन वे लोग**

इकाई – दो (रेखाचित्र) (20 classes)

- **रामवृक्ष बेनीपुरी – रजिया (माटी की मूरतें संग्रह से)**
- **महादेवी वर्मा – चीनी फेरीवाला**

इकाई – तीन (आत्मकथा) (20 classes)

- **ओमप्रकाश बाल्मीकि – जूठन**

इकाई – चार (जीवनी) (10 classes)

- **अमृत राय – कलम का सिपाही (आरंभ से दो अध्याय)**

इकाई – पाँच (यात्रा वृत्तांत) (20 classes)

- **राहुल सांस्कृत्यायन – अथातो घुम्मकड़ जिज्ञासा**

इकाई – छः (डायरी साहित्य) (10 classes)

- **रामधारी सिंह दिनकर - दिनकर की डायरी**

Course Objective: इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से वद्यार्थी हिंदी गद्य के कथा साहित्य से भन्न अन्य गद्य वधाओं का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे |

Learning Outcome: छात्र गद्य की अन्य वधाएँ जैसे जीवनी, आत्मकथा , रेखा चत्र , संस्मरण , डायरी साहित्य , यात्रा वृतांत को पढ़ कर उसका आनंद ले सकेंगे |

Semester: **8**
Course Code: **BHINMAJ15T**
Course Title: **Asmitamulak vimarsh aur hindi sahitya**
(अस्मितामूलक वमर्श और हिन्दी साहित्य**)** Credit: 6 : 90 Classes

इकाई – एक (20 classes)
विमर्शों की सैद्धांतिकी :
(क) दलित विमर्श : अवधारणा और आन्दोलन , फुले और अम्बेडकर
(ख) स्त्री विमर्श:अवधारणा और मुक्ति विमर्श (पाश्चात्य और भारतीय विमर्श)

इकाई – दो (10 classes)
(क) आदिवासी विमर्श : अवधारणा और आन्दोलन
(ख) किसान विमर्श : अवधारणा और आन्दोलन

इकाई – तीन (20 classes)
विमर्शमूलक कथा साहित्य :
(क) ओमप्रकाश बाल्मीकि – सलाम
(ख) हरिराम मीणा – घूणी तपे तीर , पृष्ट संख्या : 158 – 167

इकाई – चार (15 classes)
(क) नासिरा शर्मा – खुदा की वापसी
(ख) पूस की रात – प्रेमचंद

इकाई – पाँच (15 classes)
विमर्शमूलक कविता :
(क) दलित कविता **: अछूतानंद - दलित कहा तक पड़े रहेंगे, माता प्रसाद - सोनवा का पिंजरा**
(ख) स्त्री कविता : कीर्ति चौधरी : सीमा रेखा, सविता सिंह : मैं किसकी औरत हूँ
(ग) आदिवासी कविता : अनुज लुगुन - अघोषित उलगुलान, निर्मला पुतुल –आदिवासी स्त्रियाँ

इकाई – छ(10 classes)
विमर्शमूलक अन्य गद्य विधाएँ :
(क) प्रभा खेतान : अन्या से अनन्या (पृष्ट 28 से 42 तक)
(ख) तुलसीराम : मुर्दहिया (चौधरी चाचा से प्रारंभ, पृष्ट संख्या 125 से 135)
(ग) महदेवी वर्मा : 'स्त्री के अर्थ स्वातंत्र्य का प्रश्न

Course Objective: वद्या र्थयों में अस्मितामूलक वमर्श का ज्ञान वक सत होगा तथा इसके साथ ही व भन्न अस्मिताओं संबंधी वमर्शों से अवगत हो सकेंगे **|**

Learning Outcome: छात्र अस्मिता मूलक वमर्श की अवधारणा को समझ सकेंगे । छात्र द लत वमर्श , स्त्री वमर्श तथा आदिवासी वमर्शी को समझ सकेंगे **|**

Semester: **8**
Course Code: **BHINMAJ16T**
Course Title: **BHASHA VIGYAN (**भाषा- वज्ञान**)**
Credit: 6 : 90 Classes

इकाई – एक (20 classes)

- **भाषा : परिभाषा , विशेषताएँ , भाषा परिवर्तन के कारण , भाषा और बोली, भाषा की सामाजिक भूमिका।**

इकाई – दो (10 classes)

- **भाषा विज्ञान की परिभाषा, अंग, भाषा विज्ञान की शाखाएँ।**

इकाई – तीन (20 classes)

- **भाषा का पारिवारिक वर्गीकरण : भारोपीय परिवार के विशेष संदर्भ में।**
- **स्वनिम विज्ञान : परिभाषा , स्वन, वागीन्द्रियाँ , स्वनों का वर्गीकरण : स्थान और प्रयत्न के आधार पर , स्वन परिवर्तन के कारण**

इकाई – चार (20 classes)

- **वाक्य विज्ञान : वाक्य की परिभाषा , वाक्य के प्रकार , वाक्य परिवर्तन के कारण**

इकाई – पाँच (10 classes)

- **रूपिम विज्ञान : रूपिम की परिभाषा, रूपिम के प्रकार, रूपिम परिवर्तन के कारण**

इकाई – छ: (10 classes)

- **अर्थ विज्ञान : अर्थ परिवर्तन के कारण और दिशाएँ**

Course Objective: वद्यार्थी भाषा वज्ञान के स्वरूप और महत्व को समझ सकेंगे। क्यों क भाषा ही साहित्य अध्ययन की नीव है **|**
Learning Outcome: छात्र भाषा एवं भाषा वज्ञान के अर्थ एवं स्वरुप को समझ सकेंगे । छात्र भाषा एवं भाषा वज्ञान के व भन्न तत्वों को समझ सकेंगे **|**

Semester: **8**

Course Code: **BHINMAJ17T**

Course Title: **Lok sahitya : (**लोक साहित्य) Credit: 6 : 90 Classes

इकाई – एक (20 classes)

- **लोक साहित्य की अवधारणा , लोक संस्कृति और साहित्य**

इकाई – दो (10 classes)

- **साहित्य और लोक का अंत: सम्बन्ध , लोक साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ**

इकाई – तीन (20 classes)

- **भारत में लोक साहित्य का अध्ययन का इतिहास , लोक साहित्य के प्रमुख रूपों का वर्गीकरण**
- **लोक गीत - संस्कारगीत , व्रतगीत , श्रमगीत , ऋतुगीत , जातिगीत**

इकाई – चार (10 classes)

- **हिन्दी नाटक एवं रंगमंच पर लोकनाट्य का प्रभाव**

इकाई – पाँच (15 classes)

- **लोकनाट्य - रामलीला , रासलीला , कीर्तनियाँ, विदेशिया , नौटंकी**
- **हिन्दी लोकनाट्य की परम्परा एवं प्रविधि**

इकाई – छ: (15 classes)

- **लोकभाषा : लोक संभाषित मुहावरे , कहावते, लोकोक्तियाँ , पहेलियाँ**
- **लोकनृत्य और लोक संग**

Course Objective: • इस पाठ्यक्रम के अध्ययन से छात्र लोक साहित्य की भाव गंभीरता, सांस्कृतिक रूप और सहज अ भव्यक्ति का अध्ययन कर सकेंगे |

Learning Outcome: • छात्र लोक साहित्य की अवधारणा एवं स्वरूप को समझ सकेंगे | छात्र लोक- साहित्य के अंत: संबंधों का गहरा अध्ययन का लाभ उठा सकेंगे |

Semester: **8**
Course Code: **BHINMAJ18T**
Course Title: **Tulanatmak sahitya (**तुलनात्मक साहित्य**)** Credit 6 : 90 Classes

इकाई – एक (15 classes)

- **तुलनात्मक साहित्य सिद्धांत : परिभाषा एवं स्वरूप**

इकाई – दो (10 classes)

- **तुलनात्मक साहित्य : विविध स्कूल (केंद्र)**

इकाई – तीन (10 classes)

- **तुलनात्मक साहित्य की विशेषताएँ व समस्याएँ**

इकाई – चार (15 classes)

- **हिंदी और बांग्ला साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन : क्षेत्र एवं समस्याएँ**

इकाई – पाँच (10 classes)

- **तुलनात्मक साहित्य में अनुवाद की भूमिका**

इकाई – छ: (30 classes)

- **निराला और नजरूल की कविताओं का तुलनात्मक अध्ययन**

निराला – विधवा
नजरूल – नारी

- **प्रेमचंद और शरतचंद्र की कहानियों का तुलनात्मक अध्ययन**

प्रेमचंद – कफन
शरतचंद्र – अभागी का स्वर्ग

Objective: वद्या र्थयों को तुलनात्मक साहित्य के द्वारा व वध साहित्यिक-भाषा की सांस्कृतिक परम्पराओं से अवगत होने का अवसर प्राप्त होगा |
Learning Outcome: • छात्र तुलनात्मक साहित्य के अर्थ एवं स्वरूप को जान सकेंगे । छात्र तुलनात्मक साहित्य के महत्व को जान सकेंगे|

MINOR COURSES

Semester: **2**

Course Code: **BHINMEB12T**

Course Title: **HINDI SAHITYA KA ITIHAS (**हिन्दी साहित्य का इतिहास**)**

Credit 4 : 60 Classes

इकाई – एक (15 classes)

- **काल विभाजन, नामकरण**
- **आदिकालीन काव्य धाराएँ - सिद्ध , नाथ एवं जैन साहित्य, प्रमुख रासो काव्य, आदिकालीन हिन्दी साहित्य की सामान्य विशेषताएँ**

इकाई – दो (15 classes)

- **भक्ति आन्दोलन - सामान्य परिचय , सामाजिक – सांस्कृतिक पृष्टभूमि**
- **प्रमुख निर्गुण कवि , प्रमुख सगुण कवि , भक्तिकाल की सामान्य विशेषताएँ**

इकाई – तीन (15 classes)

- **रीतिकाल की ऐतिहासिक पृष्टभूमि**
- **रीतिबद्ध , रीतिसिद्ध , रीतिमुक्त कवि (केशव , बिहारी , घनानंद , भूषण का सामान्य परिचय)**

इकाई – चार (15 classes)

- **हिन्दी नवजागरण , भारतेंदु युगीन साहित्य की विशेषताएँ**
- **महावीरप्रसाद द्विवेदी और उनका युग , मैथिलीशरण गुप्त और राष्ट्रीय काव्यधारा**

Course Objective: इस पाठ्यक्रम के द्वारा छात्रों को हिंदी साहित्य के इतिहास एवं उसके पारंपरिक वकास का समु चत ज्ञान प्राप्त होगा |

Learning Outcome: छात्र हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परंपरा एवं वकास के बारे में जान सकेंगे एवं मूल्यांकन कर पाएंगे |

Semester: **3**

Course Code: **BHINMEB23T**

Course Title: **Madhykalin hindi kavya (**मध्यकालीन हिन्दी काव्य)

Credit: 4 : 60 Classes

काई – एक (कबीरदास) (15 classes)

साखी - माया दीपक नर पतंग (2), चकई बिछुरी रैनि की (4), इस का दीवा करौं (5), अँखियन तौ झाँई पारी (7) तूं तूं करत तूं भया (8), संत न छौड़े संतई (9) अब घर जारा आपनां (11), कबीर सब जग ढूंढ़िया(12) कबीर कँवल प्रकासिया (15), निंदक नेरे राखिए (20) |

इकाई – दो (सूरदास) (15 classes)

विनय-माधौ जू , मन माया बस कीन्हौ (1), हरि बिनु अपनौ को संसार (4) ,

अब मैं नाच्यौं बहुत गुपाल (5),

भ्रमरगीतसार - सुनौ गोपी हरि कौ संदेस (2), अँखियाँ हरि दरसन की भूखीं (4), ऊधौ मन न भए दस-बीस (5), मधुबन तुम क्यौं रहत हरे? (6) ऊधौ मोहिं ब्रज बिसरत नाहीं (7) |

इकाई – तीन (तुलसीदास – रामचरितमानस - गीता प्रेस, गोरखपुर, अयोध्या काण्ड से) (15 classes)

चौपाइयाँ - श्रीगुरू चरन सरोज रज निज मनु मुकुरू सुधारि (1), एक समय सब सहित समाजा (2), सब बिधि गुरू प्रसन्न जियँ जानी (4), हरषि मुनीस कहेउ मृदु बानी (6), तब नरनाहँ बसिष्ठु बोलाए (9), सुनि सुर बिनय ठाढ़ि पछिताती (12), एकहिं बार आस सब पूजी (16), चतुर गँभीर राम महतारी (18), चहत न भरत भूपतहि भोरें (36), भरत प्रानप्रिय पावहिं राजू (42)

इकाई – चार (बिहारी) (15 classes)

दोहा - मेरी भव बाधा हरौ(1) , नीकी दई अनाकनी (2) , अजौ तर यौना हीं रहयौ (3), जम-करि-मुँह-तरहरि परयौ (8), तो पर बारौं उरबसी (9), लौनै मुहु दीठी न लगै (10), कहत,नटत ,रीझत ,खिझत (11), कौन भाँति रहिहै बिरदु (12), नहिं परागु नहिं मधुर मधु (13), कब को टरतु दीन रट (19), तंत्री- नाद कवित्त -रस (22) |

Course Objective: • इस पाठ्यक्रम के अध्ययन के द्वारा वद्या र्थयों में मध्यकालीन क वता एवं तद्युगीन सामा सक संस्कृतियों से परि चत होने का सुअवसर प्राप्त होगा |

Learning Outcome: • छात्र मध्यकालीन प्रमुख क वयों कबीर, तुलसी, जायसी, सूरदास से परि चत होगे तथा उनकी क वताओं का आनंद उठा सकेंगे |

Semester: **5**
Course Code: **BHINMEB35T**
Course Title: **Prayojanmoolak Hindi (**प्रयोजनमूलक हिंदी, अनुवाद, मी डया)
Credit: 4 : 60 Classes

इकाई – एक (15 classes)

- वर्तनी की एकरूपता की आवश्यकता और मानक हिंदी – अशु द्ध संशोधन, वर्तनी संशोधन प्रयोजनमूलक हिंदी का अ भप्राय और उसकी उपयो गता

इकाई – दो (15 classes)

- हिंदी के व भन्न रूप : बोलचाल की भाषा, सृजनात्मक भाषा, बाजार की भाषा, राष्ट्रभाषा और संपर्क भाषा

इकाई – तीन (15 classes)

- अनुवाद की प्रयोजनीयता, कार्यालयीन अनुवाद और साहित्यिक अनुवाद की व शष्टताएँ, अनुवाद की समस्याएँ

इकाई – चार (15 classes)

- प्रमुख जनसंचार माध्यम – समाचार पत्र, रे डयो, टीवी, फल्म, दूरदर्शन और इंटरनेट-महत्त्व और सामान्य माध्यमगत वशेषताएँ

Course Objective: इस पाठ्यक्रम के द्वारा वद्या र्थयों में हिंदी का प्रयोजनमूलक पक्ष सुस्पष्ट होगा। जिसमें अनुवाद, मी डया आदि वषयों का ज्ञान भी शा मल है |

Learning Outcome: छात्र प्रयोजन मूलक हिंदी की अर्थ , उपयो गता एवं महत्व को समझ सकेंगे । छात्र अनुवाद सद्धांत और जनसंचार माध्यम से जुड़ी तथ्यो को जान सकेंगे |

Semester: **7**

Course Code: **BHINMEB47T**
Course Title: **Adhunik Hindi Sahitya : Vividh Vidhaen**
(आधुनिक हिंदी साहित्य : व वध वधाएँ**)**
Credit: 4 : 60 Classes

इकाई-एक **(**15 classes)
कविता

- नागार्जुन – अकाल और उसके बाद, बादल को घिरते देखा है
- निराला – जागो फर एक बार, वह तोड़ती पत्थर

इकाई – दो **(**15 classes)
उपन्यास

- प्रेमचन्द – सेवासदन

इकाई – तीन **(**15 classes)
कहानी

- जैनेन्द्र – खेल
- संजीव – सागर सीमांत

इकाई – चार **(**15 classes)
एकांकी

- उपेन्द्रनाथ अश्क – रीढ़ की हड्डी

Course Objective: इस पाठ्यक्रम के द्वारा वद्या र्थयों को आधुनिक हिंदी साहित्य की व वध वधाओं का व्यापक अध्ययन कर सकेंगे ।
Learning Outcome: छात्र हिंदी क वता, कहानी एवं उपन्यास के स्वरुप, उद्भ्व एवं वकास की प्र क्रया को जान सकेंगे ।

Skills Enhancement Course (SEC)

Semester: **1**
Course Code: **BHINSEC01T**
Course Title: **Anuwad : siddhant aur prawidhi**
(अनुवाद : सद्धांत और प्र व ध) Credit: 3 : 45 Classes

इकाई – एक (15 classes)

- **अनुवाद का अर्थ , स्वरूप एवं प्रकृति , अनुवाद कार्य की आवश्यकता एवं महत्व**
- **अनुवाद के प्रकार - शाब्दिक अनुवाद , भावानुवाद , छायानुवाद एवं सारानुवाद, अनुवाद की समस्याएँ**

इकाई – दो (15 classes)

- **अनुबाद के क्षेत्र - जनसंचार, प्रशासनिक, बैंकिंग, विधि**

इकाई – तीन (15 classes)

- **कार्यालयी अनुवाद : राजभाषा नीति की अनुपालना में धारा 3 (3) के अंतर्गत निर्धारित दस्तावेज का अनुवाद**
- **शासकीय पत्र / अर्धशासकीय पत्र / परिपत्र (सर्कुलर) / ज्ञापन (प्रेजेंटेशन)/ कार्यालय आदेश / अधिसूचना / संकल्प--प्रस्ताव (रेज्योलूशन)/ निविदा--संविदा / विज्ञापन**

Course Objective: इस पाठ्यक्रम द्वारा वद्या र्थयों को अनुवाद वधा की सैद्धांतिक जानकारी प्रदान की जाएगी।

Learning Outcome: छात्र अनुवाद सद्धांत और प्र व ध के बारे में जान सकेंगे तथा इसके महत्व को समझेंगे ।

(Ability Enhancement Course) AEC (MIL)

Semester: **4**

Course Code: **BAECLHN04T**

Course Title: **Hindi bhasa aur sampreshan (** हिन्दी भाषा और सम्प्रेषण)

Credit: 4: 60 Classes

इकाई – एक (15 classes)

- **भाषा की परिभाषा , प्रकृति एवं विविध रूप**
- **हिन्दी भाषा की विशेषताएँ : क्रिया ,विभक्ति , सर्वनाम , विशेषण , अव्यय एवं संधि संबंधी**

इकाई – दो (15 classes)

- **हिन्दी की वर्ण व्यवस्था : स्वर एवं व्यंजन**
- **स्वर के प्रकार – ह्रस्व , दीर्ध तथा संयुक्त**

इकाई – तीन (15 classes)

- **'ने' विभक्ति की प्रयोग, विधि, लिंग निर्णय, वचन**

इकाई – चार (15 classes)

- **हिन्दी वाक्य रचना , वाक्य के भेद , वाक्य का रूपान्तर**
- **भावार्थ और व्याख्या , आशय लेखन , विविध प्रकार के पत्र लेखन**

Course Objective: इस पाठ्यक्रम के द्वारा वद्या र्थयों में हिंदी का भा षक पक्ष सुस्पष्ट कया जाएगा। साथ ही उनमें सम्प्रेषण कौशल एवं भाषा के सम्प्रेषण पक्ष के अवधारणा भी सुस्पष्ट की जाएगी।

Course Outcome:

- **छात्र भाषा के अर्थ , प्रकृति, एवं उसके विविध रूप से परिचित होगे ।**
- **छात्र व्याकरण का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे ।**
- **व्याकरण के ज्ञान से छात्र शुद्ध- शुद्ध बोलने , लिखने और संप्रेषण कौशल में दक्षता प्राप्त कर सकेंगे।**